मार्च-2020

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय (6)

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
उद्य प्रबंध	6 1 0	हिन्दी

मुख्य पुस्तिका का क्रमांक **320 - 0439763**

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में

2	0	1	6	3	2	1	8	7

शब्दों में

दो	शून्य	एक	छः	तीन	दो	एक	आठ	सात

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL माध्यमिक शिक्षा मण्डल म.प्र. भोपाल

- पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में ✗ शब्दों में ✗
- परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 7
- परीक्षा का दिनांक 13 | 3 | 2020

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सैकण्डरी परीक्षा C.N.–161103

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
नीरज गुप्ता Neeraj	[signature]

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उल्लेखानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृ के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा : प ... मुद्रा

RSBagel

नोट :- "हायर सेकेण्डरी परीक्षा में केवल वाणिज्य ... परीक्षा में प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वाध्यायी ... प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक का 80 % अधि... एवं स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शित किये जायेंगे।"

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।
प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्ठी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

कुल प्राप्तांक शब्दों में | कुल प्राप्तांक अंकों में

2

पृष्ठ 2 के अंक

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक = 1

(1) ~~सौर ऊर्जा द्वारा~~ कोयले द्वारा

(2) 32°F से 45°F

(3) लैथीरिज्म

(4) 9 कैलोरी

(5) कांथा

BSE

प्रश्न क्रमांक = 2

(1) जल, लवण, प्रोटीन

(2) द्रो

(3) सफेद

(4) द्रो

(5) विटामिन A

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक = 3

उ3

(अ) परिवार :-

मैकाइवर एवं पेज के अनुसार :-

"परिवार वह प्राथमिक समूह है, जिसमे बच्चो के उत्पन्न होने एवं लालन पालन का कार्य किया जाता है।"

BSE

(ब) विश्व स्वास्थ्य संगठन कि स्थापना 1948 मे की गई थी।

(स) आहार आयोजन :-

भोजन मनुष्य की प्रथम आवश्यकता है। यदि भोजन को कलात्मक रूप से प्रस्तुत किया जाए तो यह हमारे मन को सतुष्टि प्रदान करता है। भोजन को स्वच्छ एवं साफ हाथो से बनाना चाहिए भोजन को ग्रहणी को भोजन का आहार आयोजन कुशलता पूर्ण तरिके से करना चाहिए।

"यदि भोजन को परिवार के सदस्यो कि आवश्यकता एवं अनुसार एवं कलात्मक रूप से भोजन का प्रस्तुति करण आहार आयोजन कहलाता है।"

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक=

(द) उपभोक्ता :- वे व्यक्ति जो अपनी आवश्यकता के अनुसार कपड़ा, ईंधन, बिजली के उपकरण आदि अपनी आवश्यकता कि वस्तुओं का उपभोग करते हैं खरीदते हैं उपभोक्ता कहलाते हैं।

(ह) प्राकृतिक रेशे :- रेशे रेशे जो प्रकृति मे पाए जाने वाली वस्तुओं मे पाए जाते है व रेशे रेशे प्राकृतिक रेशे कहलाते हैं। इन रेशो का प्रकृति से प्राप्त किया जाता है। ये रेशे अधिक महंगे होते हैं। ये रेशे आसानी मे प्राप्त नही होते। ऐसे रेशे प्राकृतिक रेशे कहलाते हैं।

B
S
E

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र. | योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 5 के अंक | कुल अंक

(20) प्रश्न क्रमांक = 5

(1) प्राकृतिक प्रकाश — सूर्य

(2) विद्युत उपकरण — आई. एस. आई.

(3) रेशमी वस्त्र — गौड़ का फलक

(4) ऐसीटिक अम्ल — अचार

(5) मै[illegible]र — विस्कॉस विधि

BSE

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

BSE

प्रश्न क्रमांक = 5

(उ) उपभोक्ता शिक्षण :-

उपभोक्ता शिक्षण से आशय इस बात से है कि उपभोक्ता को वस्तु के विषय मे सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त करने से है। उपभोक्ता अपनी समझ के अनुसार उस वस्तु का चयन करता कि उसे कम मूल्य मे उचित वस्तु प्राप्त हो सके वह दुकानदार के बहकावे मे ना आए वस्तु की आकर्षक शैली उसे धोखा न दे सके वह वस्तु के विषय मे सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त कर सके।

प्रश्न क्रमांक = 6

(उ) कुपोषण :-

कुपोषण से आशय ऐसे भोजन से है जो व्यक्ति की आवश्यकता के अनुसार गुण व परिणाम मे अनुचित मात्रा मे हो जिसमे उचित पोषित तत्व पर्याप्त मात्रा मे उपस्थित न हो और व्यक्ति मानसिक व शारीरिक रूप से असमर्थ हो।

"वह आहार जो गुण व परिणाम मे अनुचित लिया गया हो ऐसा आहार कुपोषण कहलाता है।"

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

कुल अंक

प्रश्न क्रमांक = 7 अथवा

(उ) निर्जलीकरण :-
इस मे भोजन मे उपस्थित जल वाष्प को धूप मे सुखाकर जल की मात्रा को हटा दिया जाता है। और खाद्य सामग्री को अधिक समय तक सुरक्षित किया जा सकता है इस विधि को हम घर पर ही सम्पन्न कर लेते है जैसे गेहू को धूप मे सुखाने पर आलू के चिप्स बनाकर उसे धूप मे सुखाकर संरक्षित किया जाता है। उपस्थित जल कि मात्रा का निष्कासन निर्जलीकरण कहलाती है।

B

S

F

प्रश्न क्रमांक = 8

(उ) आहार आयोजन के तीन सिद्धान्त निम्नलिखित प्रकार है -

(1) मौसम के अनुकूल भोजन बनाना :-
भोजन मौसम के अनुकूल बनाना चाहिए जैसे गर्मियों के मौसम मे ठण्डा भोजन और सर्दियों के मौसम मे गर्म भोजन का आयोजन करना चाहिए क्योकि ऐसा भोजन शरीर के लिए लाभदायक एवं पौष्टिक होता है। और भोजन आकर्षक लगता है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

(2) कम मात्रा मे भोजन बनाना :- भोजन को हमेशा कम मात्रा मे बनाना चाहिए क्योकि अधिक मात्रा मे भोजन बनाने से भोजन बचता हो जाता है। और भोजन बरबाद हो जाता है। भोजन को अपनी आवश्यकता अनुसार एवं अवसर के स्थान के अनुसार भोजन बनाना चाहिए।

B
S
E

(3) ताजे एवं स्वच्छ भोज्य पदार्थो का चयन :- गृहणी को ताजे एवं स्वच्छ भोज्य पदार्थो का चयन करना चाहिए क्योकि ताजे भोज्य पदार्थो मे अधिक पौष्टिक तत्व पर्याप्त मात्रा मे उपस्थित होते है। और उन्हे अधिक समय तक रखा जा सकता है। आहार हमेशा स्वच्छ होना चाहिए।

(4) पाचक एवं पौष्टिक भोजन बनाना :- गृहणी को सदैव आहार पर इस प्रकार का बनाना चाहिए जो शीघ्र पच जाए ऐसा भोजन शरीर को संतुष्टि प्रदान करता है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 7

(3)

पोषण शिक्षा :-

इस मे हम व्यक्तियो को भोजन के विषय मे बताते है। और उन्हे कुपोषित होने से बचाते है।

J.E.K पार्क के अनुसार :- "व्यक्तियो को दी गई वह शिक्षा जिसमे वह अपने मे कुपोषण के विषय मे पता लगा सकते है वह शक्ति मात्र प्रक्रिया जिसका उपयोग शरीर को पोषण प्रदान करने के लिए किया
इस हैराल्ड हिम्मरवर्ट के अनुसार :- भोजन और उसके घटको का अध्ययन करके शरीर को पोषण प्रदान करने के लिए किया जाता है।

उद्देश्य

पोषण शिक्षा के द्वारा शरीर शरीर को उच्च पौष्टिक तत्व प्रदान किए जाते है।

पोषण शिक्षा के द्वारा व्यक्ति के कुपोषित होने का पता लगाया जा सकता है।

पोषण शिक्षा हमारे जीवन मे अधिक महत्वपूर्ण है।

(5)

B
S
E

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक = 20 अथवा

(उ)

क्षय रोग के कारण

(1) दूषित भोजन करने से।

(2) रोगी व्यक्ति के सम्पर्क मे आने से।

(3) यह रोग माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस जीवाणु के कारण फैलता है।

(4) दूषित वातावरण के कारण यह रोग फैलता है।

क्षय रोग के लक्षण

(1) बार - बार खासी आना।

(2) शाम के समय अधिक बुखार आना।

(3) खासी के - साथ - साथ बलगम भी आना साथ ही अधिक दिनो के बाद बलगम के संग मे खून आना।

(4) फेफड़ो और छाती मे दर्द होना।

(5) शरीर कमजोर हो जाना।

(6) खासी के साथ - साथ छींके भी आना।

कुल अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक = २५ अथवा

(उ)

कार्य सरलीकरण के सिद्धान्त निम्न प्रकार है-

(1) आवश्यक वस्तुओं का एकीकरण :- गृहणी को आवश्यक वस्तुओं को एक साथ रखना चाहिए क्योंकि आवश्यक वस्तुओं को एक साथ रखने से बार-बार सामान उठाने के लिए अलग-अलग स्थान पर नहीं जाना पड़ता जिससे समय और श्रम दोनों कि बचत कि जा सकती है।

B
S
E

(2) उचित हवा एवं प्रकाश मे कार्य करना :- गृहणी को घर के सारे काम उचित हवा एवं प्रकाश मे करने चाहिए क्योंकि उचित हवा एवं प्रकाश मे कार्य करने से थकान कम महसूस होती है। और गृहणी उत्सुकता पूर्वक कार्य करती है।

(3) मनोरंजन और विश्राम :- गृहणी को कार्य करते समय मनोरंजन करते रहना चाहिए क्योंकि लगातार कार्य करने से गृहणी अधिक थकान महसूस करती है। कि बीच-बीच मे विश्राम करने से वह काम

प्रश्न क्र.

थकान महसूस करती है।

(4) शांत वातावरण मे कार्य करना :- गृहणी को शांत वातावरण मे कार्य करना चाहिए क्योंकि शांत वातावरण मे कार्य करने से गृहणी थकान कम महसूस करती है और समय व श्रम दोनो कि बचत कि जा सकती है।

(5) आधुनिक उपकरणों का उपयोग :- गृहणी को आधुनिक उपकरणो का उपयोग करना चाहिए आधुनिक उपकरणो के उपयोग से गृहणी समय व श्रम दोनो की बचत कर सकती है।

प्रश्न क्रमांक - 12 अथवा

(3) उपभोक्ता के चार अधिकार निम्न प्रकार है- उपभोक्ता की सरकार ने उपभोक्ता के लिए अनेक अधिकार दिए है जिनके माध्यम से उपभोक्ता सही वस्तुओ का चयन कर सकता है- झूठे विज्ञापनो एवं आकर्षक शैलियो से बच सकता है।

प्रश्न क्र.

(4) सुनवाई का अधिकार :-

उपभोक्ता को वस्तु खरीदते समय अपनी इच्छा के अनुसार किसी भी वस्तु का चयन कर सकते है वस्तु के खराब होने या दुकानदार द्वारा किसी भी वस्तु के खराब होने पर यदि उपभोक्ता कि सिकायत सही है तो उसकी सुनवाई कि जाएगी उसे सुनवाई का पूर्ण अधिकार प्राप्त है।

B (5) चयन का अधिकार :-

S उपभोक्ता को अपनी सुविधा के अनुसार या उसे कौन सी वस्तु खरीदनी है उसे उस वस्तु

E का पूर्ण अधिकार है।

(6) सुरक्षा का अधिकार :-

उपभोक्ता को वस्तु खरीदते समय अपनी इच्छा के अनुसार वस्तु को या वस्तु के विषय मे सुरक्षा का पूर्ण अधिकार प्राप्त है।

(7) जानकारी का अधिकार :-

उपभोक्ता को वस्तु खरीदते समय वस्तु के विषय मे जानकारी या उसकी किस्म गुणवत्ता के विषय मे पूर्ण जानकारी प्राप्त करने का उसे पूरा अधिकार प्राप्त है।

योग कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक = 13 अथवा

उ०)

खाद्य संरक्षण के चार उद्देश्य निम्न प्रकार है-

(1) किसानो को उपज का उचित मूल्य दिलवाना:

खाद्य संरक्षण करने से खाद्य पदार्थ अधिक दिनो तक उपयोग किए जा सकते है। जैसे की फल या सब्जियाँ कुछ समय के बाद सड़ने लगती है। जिससे किसानो को उन्हे बिना मौसम के बेचना पड़ता है। खाद्य संरक्षण के द्वारा किसानो को उपज का सही मूल्य मिल जाता है।

विदेशी मुद्रा की प्राप्ति:

खाद्य संरक्षण के द्वारा हम विदेशी मुद्रा भी प्राप्त कर सकते है। जैसे फल एवं सब्जियों को अधिक मात्रा मे के संरक्षित करके उन्हे विदेशो मे आयात या निर्यात करते है जिससे विदेशी मुद्रा प्राप्त कि जाती है।

(3) आर्थिक महत्व:

खाद्य संरक्षण के हम अपनी आर्थिक मदद कर सकते है। खाद्य पदार्थों को अधिक मात्रा मे संरक्षित करके उनका अलग

B
S
E

प्रश्न क्र.

अलग श्रेणी में बेच के अपना आर्थिक सहायता कर सकते हैं।

(4) रोजगार के अवसर एवं बेरोजगारी को दूर करना :- बाह्य संरक्षण के द्वारा हम रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं एवं बेरोजगारी को दूर कर सकते हैं। बाह्य संरक्षण हमें रोजगार के अवसर प्राप्त करता है।

प्रश्न क्रमांक = 14 अथवा

(उ) नायलॉन वस्तु के रासायनिक गुण निम्न प्रकार हैं-

(1) अम्ल एवं क्षार का प्रभाव :- नायलॉन के वस्त्र अम्लों से प्रभावित होते हैं जबकि क्षार द्वारा अप्रभावित रहते हैं।

(2) ताप :- नायलॉन उच्च ताप पर परिवर्तित हो जाते हैं।

(3) विरंजकों का प्रभाव :- नायलॉन उच्च विरंजक पदार्थों से प्रभावित होते हैं जबकि हल्के विरंजकों का उनपर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

(4) हवा एवं प्रकाश :-

नापेलॉन के वस्त्र अधिक प्रकाश मे कमजोर हो जाते हैं।

(D) नायलॉन के वस्त्रों मे अम्ल एवं क्षार का उचित उपयोग करना चाहिए।

प्रश्न क्रमांक = 15

(उ) नील के प्रकार निम्न प्रकार है-

(A) अल्ट्रामेरिन ब्लू :

यह नील चारकोल, चूना, मिट्टी आदि को गर्म करने पर प्राप्त होता है। यह पानी मे घुलनशील होता है। इस नील से कपड़ा अधिक साफ लगता है।

B S E

(B) इन्डिगो ब्लू :

यह नील पेड़ - पौधो की पत्तियो द्वारा प्राप्त होता है। इस नील मे अधिक पैसे खर्च होते है। यह नील अधिक महंगा होने के कारण इस नील के स्थान पर रासायनिक नील का उपयोग करते हैं।

(C) प्रुशियन ब्लू :

इस नील नील का

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL
मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

निर्माण आयरन सल्फेट एवं पोटैशियम फैरोसायनाइड के निर्माण से होता है। यह नील जल में घुलनशील एवं अच्छा विलायक होता है।

(ब) एनीलाइन ब्लू :

~~इस~~ इस नील का निर्माण चारकोल ~~के~~ के निर्माण से होता है। यह नील दो प्रकार का होता है। अ[illegible] माध्यम, एवं क्षारीय माध्यम।

B
S
E

प्रश्न क्रमांक-16

उ. एकल परिवार के लाभ -

(अ) स्त्री की दशा में सुधार :

एकल परिवार छोटा होता है। जिसमे परिवार के सभी निर्णय पति व पत्नि दोनों मिलकर लेते हैं। घर का प्रत्येक निर्णय ~~पति~~ पति व पत्नि दोनों मिलकर लेते हैं ~~जिससे~~ स्त्री की दशा में सुधार होता है। और स्त्री और पुरुष दोनों मिलकर धन कमाते हैं जिससे वह अपनी उन्नति कर लेती है।

कुल अंक
BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

(2) प्रतिभाशाली बालकों के लिए विशेष अवसर —

एकल परिवार में संयुक्त परिवार कि अपेक्षा प्रतिभाशाली बालकों के लिए विशेष अवसर प्राप्त होते है। जिससे प्रतिभाशाली बालक अपने जीवन में अधिक उन्नति कर लेते है क्योंकि एकल परिवार में सदस्य संख्या कम होती है जिससे वह अपने लिए विशेष अवसर प्राप्त कर सकते है।

(3) रुचियां बढ़ाने में :

एकल परिवार में सदस्य संख्या कम होती है। ~~जिसे~~ जिसके कारण पति के साथ-साथ पत्नि भी आय का अर्जन करती है इसलिए एकल परिवार रुचियां बढ़ाने में सहायक होता है।

(4) आर्थिक सहिता :

एकल परिवार में पति के साथ-साथ पत्नि भी आय का अर्जन करती है जिसे आर्थिक सहिता होती है।

B
S
E

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL
BSE

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक = 17

(उ) कुपोषण के भोजन संबंधि कारण निम्न प्रकार है-

(1) अनुचित भोजन :- ऐसा भोजन जिसमे पोषक तत्व उचित मात्रा मे उपस्थित न हो और इस प्रकार के भोजन से कुपोषण हो जाता है।

(2) अपचपि भोजन : ऐसा भोजन जो हमारे शरीर के लिए लाभदायक नही है। ऐसा भोजन करने से भी कुपोषण हो जाता है।

(3) अनुउपयोगी भोजन : ऐसा भोजन जो पचने मे ठीक न हो ऐसा भोजन शरीर के लिए हानिकारक होता है ऐसा भोजन अनुउपयोगी भोजन कहलाता है।

(4) भोजन संबधि आदते : भोजन संबधि आदते मनुष्य के जीवन मे जीवन पर्यन्त बनी रहती है और भोजन संबधि आदतो के

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH

प्रश्न क्र.

कारण भी मनुष्य कुपोषण का
शिकार बन जाता है। भोजन
संबंधि आदतों में सुधार लाना
कठिन होता है जिसके कारण मनुष्य
कुपोषण का शिकार बन जाता है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

न क्र.

प्रश्न क्रमांक = 18

(उ.)

भोजन परोसते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए —

(1) जिस व्यक्ति को भोजन परोसना है उस व्यक्ति के हाथ साफ होना चाहिए।

(2) भोजन परोसने के लिए अलग-अलग चम्मचों का उपयोग करना चाहिए।

(3) भोजन साफ-साफ व स्वच्छ बर्तनों में परोसना चाहिए।

(4) भोजन उठाने व रखने वालों के हाथ साफ होना चाहिए।

(5) अस्वस्थ व्यक्ति को भोजन नहीं परोसना चाहिए।

(6) जिन कपड़ों का उपयोग भोज्य पदार्थों को उतारने रखने व उठाने के लिए किया जाता है वे साफ होना चाहिए।

(7) भोज्य पदार्थ अलग-अलग पात्रों में रखना चाहिए।

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF ...

प्रश्न क्र.

(v) भोजन परोसते समय छिंकना और खासना नहीं चाहिए।

(vi) भोजन एक बार में एक साथ अधिक नहीं परोसना चाहिए।

प्रश्न क्रमांक – 44

BSE